15 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

पुस्तक मेले में पुस्तकों तथा साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में व्यस्त रहे पुस्तक प्रेमी

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2016 के सातवें दिन भी प्रगति मैदान में पुस्तक प्रेमियों का हुजूम देखा जा सकता था। यह मेला 17 जनवरी, 2016 तक चलेगा। ताड़पत्रों पर दुर्लभ हस्तलिपियों की प्रदर्शनी, संस्कृति पर आधारित पुस्तकें, थीम मंडप पर आयोजित हो रहीं भारतीय ग्रंथों पर आधारित नाट्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, चीन मंडप पर फोटो एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनियाँ तथा संगोष्ठियों, लेखक से मिलिए व पुस्तक लोकार्पण जैसी साहित्यिक गतिविधियाँ मेले में आने वाले पुस्तक प्रेमियों, प्रकाशकों तथा लेखकों को आकर्षित कर रही हैं।

थीम मंडप पर भगवान महावीर के प्रशंसा गीतों से श्री संजीव जैन तथा उनके समूह ने दर्शकों को ईमानदारी और शांति के पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्री संजीव जैन पिछले बीस वर्षों से गायन के क्षेत्र में हैं। एक प्राइवेट कंपनी में काम करने के बावजूद अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर ये मंच पर प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत करते हैं। इसके पश्चात गुरु सिंगाजीत सना एवं उनके समूह द्वारा प्रस्तुत मणिपुरी नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया।

यहाँ *भरत का नाट्यशास्त्र एवं भारत की कला–प्रदर्शन परंपरा* विषय पर आधारित पैनल चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें श्री राधावल्लभ त्रिपाठी तथा प्रो. भरत गुप्त वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे। 'परंपराओं एवं आधुनिकीकरण के बीच संघर्ष' विषय पर बातचीत करते हुए प्रो. गुप्त ने कहा कि समकालीन समय में कालिदास द्वारा रचित *अभिज्ञान शाकुंतलम* जैसे शास्त्रीय ग्रंथों पर आधारित नाटिका प्रस्तुत कर हमने नाट्यशास्त्र को केवल परंपरागत नहीं अपितु आधुनिक बनाने का प्रयास किया है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि नाट्यशास्त्र उन सभी को अपनी ओर आकर्षित करेगा जो संस्कृति एवं परंपरा को जानना चाहते हैं।

बाल मंडप पर आयोजित हो रही गतिविधियाँ मेले में आने वाले पुस्तक प्रेमियों का मन मोह रही हैं। आज यहाँ पटकथा लेखन पर आधारित कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस अवसर पर डॉ. हेमंत कुमार ने बच्चों के साथ बातचीत की और उन्हें यह जानकारी दी कि चाहे प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलीविज़न अथवा इंटरनेट हो, पटकथा लेखन सभी माध्यमों में अलग तरह से

होता है। इसी कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों से टेलीविज़न कार्यक्रम के लिए पटकथा लिखने को भी कहा। यहाँ राजीव गांधी फाउंडेशन से आए बच्चों द्वारा प्रसिद्ध लेखक, प्रेमचंद की कहानी 'चोरी' पर आधारित प्रहसन प्रस्तुत किया गया। इसी मंडप पर श्री शेखर सरकार द्वारा *बैलून कठपुतली कार्यशाला एवं कथा वाचन* सत्र आयोजित किया गया।

मेले के हॉल सं. 6 में बने ऑथर्स कॉर्नर 'कंनवर्सेशंस' में डॉ. पार्थसारथी द्वारा लिखित 'भगवत गीता फॉर लीडरशिप' पुस्तक का लोकार्पण हुआ। डॉ. पार्थसारथी श्री शारदा भारतीय प्रबंधन शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष हैं। हॉल सं. 11 में बने ऑथर्स कॉर्नर 'रिफ्लेक्शंस' में इंदु बालचंद्रन की पुस्तक 'रनवे राइटर्स' का लोकार्पण हुआ। लेखिका द्वारा दर्शकों से यह आग्रह किया गया कि पुस्तक को उसका आवरण देखकर न आँकें बल्कि उसे पढ़कर देखें।

आज मेले में अनेक पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिनमें शामिल हैं—स्नेहा महाजन द्वारा लिखित *बीसवीं शताब्दी का विश्व इतिहास;* आशा गुप्ता की *तुलनात्मक शासन और राजनीति;* रुचि त्यागी की *आधुनिक भारत का प्रादेशिक चिंतन;* रामचंद्र प्रधान द्वारा लिखित *राज से स्वराज;* राजेंद्र पाल की *विषय वस्तु विशेषण;* कनुप्रिया की *विजयी भव* आदि।